

परिवारण पुं. (तत्.) 1. ढकने या छिपाने की क्रिया, आवरण 2. कोष, खोल, म्यान।

परिवारित वि. (तत्.) घेरा हुआ, आवृत्त, आवेष्टित।

परिवास पुं. (तत्.) 1. ठहरना, टिकना 2. घर, आवास, मकान 3. सुगंध, खुशबू, सुवास 4. बौद्ध संघ में किसी दोषी भिक्षु का बहिष्कार, संघ से उसका निकाला जाना।

परिवासन पुं. (तत्.) टुकड़ा, खंड।

परिवाह पुं. (तत्.) 1. पानी का अत्यंत तीव्र प्रवाह जो कि रोक या बाँध तोड़कर अथवा बाँध और मेड़ के ऊपर से बहने लगता है 2. ऐसी नाली या जल प्रवाह का मार्ग जहाँ से आवश्यकता से अधिक जल निकाला जाए, जल की निकासी का मार्ग 3. नदियों की वह व्यवस्था जहाँ से नावों आदि के माध्यम से माल भेजा जाता है।

परिवाही वि. (तत्.) छलककर या उमड़कर बहने वाला, बाँध, मेंड़ आदि से छलककर बहने वाला, उफनकर बहने वाला।

परिविंदक पुं. (तत्.) बड़े भाई से पहले विवाह कर लेने वाला, परिवेत्ता।

परिविण्ण पुं. (तत्.) दे. परिविन्न।

परिवित्त पुं. (तत्.) वह जिसका छोटा भाई उससे पहले ही विवाह या अग्नि का आधान कर ले।

परिवित्ति पुं. (तत्.) दे. परिवित्त।

परिविद्ध वि. (तत्.) सम्यक् रीति से विद्ध, भली प्रकार बिधा हुआ, हर तरफ से बिधा हुआ पुं. कुबेर।

परिविन्न पुं. (तत्.) ऐसा व्यक्ति जिसका छोटा भाई उससे पहले विवाह कर ले।

परिविष्ट वि. (तत्.) 1. घिरा हुआ, फेरा हुआ, परिवेष्टित 2. परोसा हुआ भोजन 3. प्रकाशमंडल से आवृत्त, सूर्य या चंद्रमा।

परिविष्टि स्त्री. (तत्.) 1. सेवा, परिचर्या, टहल 2. घेरा 3. भोजन परोसना।

परिविहार पुं. (तत्.) आनन्दपूर्वक घूमना, जी भर के भ्रमण करना।

परिवीक्षण पुं. (तत्.) 1. घिरा हुआ, लपेटा हुआ 2. ढका हुआ, छिपाया हुआ, आवृत्त, आच्छादित 3. भली प्रकार देखना, ध्यानपूर्वक देखना।

परिवीक्षाधीन पुं. (तत्.) जो भली प्रकार देखे जाते हैं, जिन्हें ध्यान से देखा जा रहा है।

परिवीजित वि. (तत्.) पंखे से जिसे हवा की गई हो, पंखा किया गया।

परिवीत वि. (तत्.) घिरा हुआ, लिपटा या लपेटा हुआ, आवृत्त, छिपाया गया, आच्छादित, परिवेष्टित पुं. ब्रह्मा जी का धनुष।

परिवृढ वि. (तत्.) दृढ़, मजबूत पुं. स्वामी, मालिक, नेता, सरदार।

परिवृत्त वि. (तत्.) 1. ढका हुआ, छिपा या छिपाया हुआ, आवृत्त, परिवेष्टित, घिरा हुआ 2. उलटा-पलटा हुआ पुं. 1. दूसरों की जानकारी हेतु प्रस्तुत किया गया किसी घटना या कार्य का विवरण 2. परिचित, जाना हुआ, ज्ञात, प्राप्त 3. आलिंगन।

परिवृत्ति स्त्री. (तत्.) 1. ढकने वाली वस्तु, छिपाने वाला पदार्थ 2. घेरना, आवेष्टित करना 3. चक्कर 4. विनिमय, बदला हुआ, परिवर्तित, तबादला 5. अंत, समाप्ति 6. किसी कार्य को देख उसका अनुकरण करना, यथावत दोहराना 7. अर्थालंकार का एक प्रकार।

परिवृद्ध वि. (तत्.) 1. चारों ओर से बढ़ा हुआ 2. परिवर्द्धित।

परिवृद्धि स्त्री. (तत्.) हर प्रकार से वृद्धि, अत्यंत वृद्धि।

परिवेण पुं. (तत्.) बौद्ध-विहार में बना बौद्ध भिक्षुओं का कुटीर।

परिवेत्ता पुं. (तत्.) बड़े भाई से पहले विवाह करने या कर लेने वाला।

परिवेदन पुं. (तत्.) 1. पूरा ज्ञान, सम्यक् ज्ञान, व्यापक ज्ञान, परिज्ञान 2. लाभ, प्राप्ति 3.